सटीक नजर-सबकी खबर

INDIA TIMER

इंडिया टाइमर

इंडिया टाइमर में विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।
मोबाइल : 9050007221 9467504707

www.indiatimer.co indiatimer1@gmail.com indiatimer1 वर्ष : 12 || अंक : 1 || जीन्द 12 जुलाई 2025 || पृष्ठ : 4 || मूल्य : 3 रुपए INDIATIMER @indiatimer1

विद्यार्थियों का समग्र विकास ही शिक्षकों का मूल उद्देश्य है : प्रो. रामपाल सैनी

शिक्षक, पथप्रदर्शक की भी निभाये भूमिका : वीसी

संजय शर्मा

जींद,(इंडिया टाइमर): चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में गुरु पूर्णिमा पर्व को लेकर एक समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी और मुख्य वक्ता के तौर पर प्रो. राजेंद्र कुमार अनायत- डीसीआरयूएसटी मुरथल के पूर्व कुलगुरु एवं भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय प्रमुख रहे। यह आयोजन विश्वविद्यालय के युवा एवं सांस्कृतिक निदेशालय और भारतीय शिक्षण मंडल के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना व विश्वविद्यालय कुलगीत के साथ हुआ। मुख्यातिथि कुलगुरु प्रो. सैनी ने इस अवसर पर कहा कि गुरु पूर्णिमा वह पर्व है जो आत्मचिंतन और दिशा निर्धारण का अवसर प्रदान करता है। जब सूचनाओं की भरमार हो, तब सच्चा ज्ञान और विवेक आवश्यक हो जाता है। शिक्षकों की भूमिका अब केवल शिक्षण तक सीमित नहीं, वे विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा, पथप्रदर्शक और मूल्यप्रदाता होने चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा के इस पवित्र मंदिर में एक सफाई कर्मचारी से लेकर एक कुलपति तक, हर व्यक्ति की भूमिका समान रूप से महत्वपूर्ण है। हम सभी मिलकर विद्यार्थियों को एक स्वच्छ, सुविधाजनक और ज्ञान-परक वातावरण प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि गुरु केवल आध्यात्मिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि दर्शन, नीति, कला, विज्ञान और व्यावहारिक कौशल भी सिखाता है। प्राचीन गुरुकुलों में, शिष्य गुरु के साथ रहकर वेदों से लेकर तीरंदाजी या संगीत तक सब कुछ सीखते थे। गुरु का उद्देश्य शिष्य का बौद्धिक, भावनात्मक, नैतिक और आध्यात्मिक विकास करना है, ताकि वह एक संपूर्ण व्यक्तित्व बन सके। मुख्य वक्ता प्रो. अनायत ने कहा कि गुरु भारतीय संस्कृति में ईश्वरतुल्य माने गए हैं। वे ब्रह्मा की भांति निर्माण करते हैं, विष्णु की भांति पालन करते हैं और शिव की भांति शिष्य के अवगुणों का संहार करते हैं। वन्दे गुरु परंपरा केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि हमारे ऋषियों, संतों और शिक्षकों के उस ज्ञान-स्रोत को नमन है जिसने सभ्यता को दिशा दी। कुलसचिव प्रो. लवलीन मोहन ने सभी अतिथियों का औपचारिक स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय में उनके आगमन को गौरवपूर्ण बताया। उन्होंने सभा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में भारतीय शिक्षण मंडल के योगदान को भी सांझा किया। कार्यक्रम में डीन अकादमिक अफेयर्स प्रो. विशाल वर्मा, डॉ. भावना, डॉ. कविता, जनसंपर्क विभाग के निदेशक डॉ. विजय कुमार तथा पीआरओ डॉ. अरुण, प्रो आनंद मालिक सहित सभी शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी उपस्थित रहे।

अमर उजाला

Date: 12/07/2025

आत्मचिंतन व दिशा निर्धारण का अवसर प्रदान करता है गुरु

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। युवा व सांस्कृतिक निदेशालय और भारतीय शिक्षण मंडल के संयुक्त तत्वावधान में चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में गुरु पूर्णिमा पर्व पर समारोह का आयोजन किया। इसमें मुख्यातिथि कुलगुरु प्रो. रामपाल सैनी और मुख्य वक्ता के तौर पर डीसीआरयूएसटी मुरथल के पूर्व कुलपति प्रो. राजेंद्र कुमार अनायत ने शिरकत की।

मुख्यातिथि कुलपति प्रो. सैनी ने कहा कि गुरु पूर्णिमा वह पर्व है जो आत्मचिंतन और दिशा निर्धारण का अवसर प्रदान करता है। जब सूचनाओं की भरमार हो, तब सच्चा ज्ञान और विवेक आवश्यक हो जाता है। शिक्षकों की भूमिका अब केवल शिक्षण तक सीमित नहीं, वह विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा, पथप्रदर्शक और मूल्यप्रदाता होने चाहिए।

उन्होंने मुख्य वक्ता प्रो. राजेंद्र अनायत के प्रेरणादायक विचारों की सराहना करते हुए कहा कि उनका संबोधन गुरु-शिष्य परंपरा की जीवंत पुनर्पुष्टि है।

इस मौके पर डीन अकादमिक अफेयर्स प्रो. विशाल वर्मा, डॉ. अनिल, डॉ. भावना, डॉ. कविता, निदेशक डॉ. विजय कुमार, डॉ. अरुण और प्रो. आनंद मालिक मौजूद रहे।

सीआरएसयू में गुरु पूर्णिमा पर्व का शुभारंभ करते कुलपति प्रो. रामपाल । स्रोत : विवि

भारतीय संस्कृति में ईश्वरतुल्य माने गए गुरु

मुख्य वक्ता प्रो. अनायत ने कहा कि गुरु भारतीय संस्कृति में ईश्वरतुल्य माने गए हैं, वह ब्रह्मा की भांति निर्माण करते हैं, विष्णु की भांति पालन करते हैं और शिव की भांति शिष्य के अवगुणों का संहार करते हैं। कुलसचिव प्रो. लवलीन मोहन ने सभी अतिथियों का औपचारिक स्वागत करते हुए उनके आगमन को गौरवपूर्ण बताया।

दैनिक भास्कर
ई-पेपर

Date: 12/07/2025

गुरु पूर्णिमा • सीआरएसयू में सांस्कृतिक निदेशालय व भारतीय शिक्षण मंडल का आयोजन

विद्यार्थियों का समग्र विकास ही शिक्षकों का उद्देश्य :वीसी

भास्कर न्यूज | जींद

सीआरएसयू में शुक्रवार को गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में युवा एवं सांस्कृतिक निदेशालय और भारतीय शिक्षण मंडल के संयुक्त तत्वावधान में समारोह आयोजित किया। मुख्य अतिथि वीसी प्रो. राम पाल ने कहा गुरु पूर्णिमा आत्मचिंतन और दिशा निर्धारण का पर्व है। सूचनाओं की अधिकता में विवेक और सच्चा ज्ञान जरूरी हो जाता है। शिक्षक अब केवल पढ़ाने तक सीमित नहीं, वे विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा, मार्गदर्शक और मूल्य देने वाले बनें। उन्होंने कहा, शिक्षा के इस मंदिर में सफाई कर्मचारी से लेकर कुलपति तक सभी की भूमिका अहम है। सभी मिलकर विद्यार्थियों को स्वच्छ, सुविधाजनक और ज्ञानपूर्ण वातावरण देते हैं। गुरु केवल आध्यात्मिक ज्ञान नहीं, दर्शन, नीति, कला, विज्ञान और कौशल भी सिखाते हैं।

डीसीआरयूएसटी मुरथल के पूर्व कुलगुरु वीसी मुख्य वक्ता प्रो. राजेंद्र कुमार अनायत ने कहा, भारतीय संस्कृति में गुरु ईश्वर तुल्य हैं। वे ब्रह्मा की तरह निर्माण करते हैं, विष्णु की तरह पालन करते हैं और शिव की तरह अवगुणों का नाश करते हैं। 'वन्दे गुरु परंपरा' केवल वाक्य नहीं, यह ऋषियों और शिक्षकों के ज्ञान को नमन है। उन्होंने गीता के श्लोक \'तद्विद्धि प्रणिपातेन परिप्रश्नेन सेवया\' का उल्लेख करते हुए गुरु से ज्ञान प्राप्ति की विधि बताई।

दिल्ली पब्लिक स्कूल में बच्चों ने सांस्कृति प्रस्तुतियां

दिल्ली पब्लिक स्कूल में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भव्य कार्यक्रम हुआ। विद्यार्थियों ने गुरुओं के प्रति आभार जताते हुए सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। प्राचार्य रमेश चंद्र तिवारी ने कहा, गुरु अज्ञान के अंधकार में ज्ञान का दीपक है। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे शिक्षकों का सम्मान करें। उनके बताए मार्ग पर चलें। कार्यक्रम के अंत में गीता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एसपी बंसल ने छात्रों की प्रस्तुतियों की सराहना की।

ARTH PARKASH

Date: 12/07/2025

विद्यार्थियों का समग्र विकास ही शिक्षा एवं शिक्षकों का मूल उद्देश्य है: प्रो. राम पाल सैनी

अर्थ प्रकाश/सुरेश सिसोदिया

जींद, 11 जुलाई। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भारतीय शिक्षण मंडल व युवा सांस्कृतिक निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में एक भव्य समारोह आयोजित हुआ।

मुख्य अतिथि कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी ने कहा कि गुरु सिर्फ ज्ञानदाता नहीं, बल्कि शिष्य के समग्र विकास का मार्गदर्शक होता है। मुख्य वक्ता प्रो. राजेंद्र अनायत ने भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु ब्रह्मा, विष्णु और शिव के समान होते हैं। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना और दीप प्रज्वलन से हुई। कुलसचिव प्रो. लवलीन मोहन ने अतिथियों का स्वागत किया। डीन प्रो. विशाल वर्मा ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियाँ साझा कीं। इस अवसर पर डॉ. भावना और डॉ. कविता ने विद्यार्थियों संग गुरु वंदना प्रस्तुत की, जबकि छात्र प्रदीप की बांसुरी वादन ने सबका मन मोहा।